भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2270
15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेद दिवस

2270. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
डॉ. डी.एन.वी सेंथिलकुमार एस.:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्रीमती मंजुलता मंडल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने हाल ही में आठवां आयुर्वेद दिवस मनाया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस अवसर पर कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किए गए;
(ग) क्या सरकार ने आयुर्वेदिक चिकित्सा, पद्धति को विकसित करने और लोकप्रिय बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है;
(घ) महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह सहित देश में कार्यरत आयुर्वेदिक आरोग्य केन्द्रों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने आयुष क्षेत्र में सेवा प्रदायगी को सुदृढ़ करने के लिए आयुष ग्रिड परियोजना शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(च) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान आयुर्वेद में विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सुदृढ़ बनाने और उनमें तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और
(छ) सरकार द्वारा आर्युवेद औषधि प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाने का विचार है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हां।

(ख): आयुष मंत्रालय द्वारा पंचकुला, चंडीगढ़, हरियाणा में केंद्रीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोणोवाल, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री, श्री मुंजपरा महेंद्रभाई की उपस्थिति में 10.11.2023 को 8वां आयुर्वेद दिवस, 2023 मनाया गया जिसका मुख्य विषय 'आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ' था और टैग लाइन थी 'हर दिन हर एक के लिए आयुर्वेद'। 8वें आयुर्वेद दिवस के लिए चुना गया विषय भारत की जी20 अध्यक्षता के विषय, 'वसुधैव कुटुम्बकम' के अनुरूप था। 8वें आयुर्वेद दिवस, 2023 के आयोजन के लिए केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) को नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया था। नोडल एजेंसी होने के नाते, इसने 10 नवंबर, 2023 को मुख्य कार्यक्रम के साथ 8वें आयुर्वेद दिवस, 2023 का आयोजन किया और 9 नवंबर, 2023 को पंचकुला, हरियाणा में 'आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ' पर एक सम्मेलन का भी आयोजन किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें प्रदर्शनी सह-मिनी-एक्सपो, जागरूकता व्याख्यान/नुक्कड़नाटक, सेल्फी पॉइंट का निर्माण, मिथक बस्टर/जनरलाइज्ड टॉक शो, माई जीओवी प्लेटफॉर्म पर प्रतिज्ञा, आयुर्वेद चिकित्सकों को जागरूक करना, आयुर्वेद दवाओं के गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर, प्रकृति परीक्षण, स्वास्थ्य मूल्यांकन, रन फॉर आयुर्वेद, राइडर्स रैली, आयुर्वेद में स्वस्थ पारंपरिक खाद्य व्यंजनों को साझा करना, आयुर्वेद और सामान्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता व्याख्यान, "किसान रक्षा किट" "बाल रक्षा किट" और "पशु रक्षा किट" का वितरण, लघु वीडियो प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता शामिल किए गए थे। माइक्रो आयुर्वेदा डे वेबसाइट

(https://ayurvedaday.org.in) विकसित की गई जिसने इस कार्यक्रम के महीने भर के अभियान के दौरान हितधारकों द्वारा चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के प्रचार और पंजीकरण के लिए एक मंच प्रदान किया। दुनिया के लगभग 100 देशों के छात्र, किसान और आम जनता 'आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ' अभियान में शामिल हुए और 21,000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 18 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 48036 लोगों ने माई जीओवी प्लेटफॉर्म पर आयुर्वेद दिवस की प्रतिज्ञा ली तथा 16 करोड़ से अधिक लोगों ने माइक्रोसाइट पर "मैं आयुर्वेद का समर्थन करता हूं" टैब पर अपना समर्थन किया।

(ग): केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), जो आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, अपने सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यक्रम के तहत, आम लोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में आम जनता के बीच आयुर्वेद पद्धति को लोकप्रिय बनाने में लगा हुआ है। इसे व्यापक रूप से राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय आरोग्यमेलों, स्वास्थ्य शिविरों, प्रदर्शनियों, एक्सपो, आज़ादी का अमृत महोत्सव 2.0 (एकेएएम 2.0), अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष आदि से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से वितरित किया जाता है। इसके साथ ही, सीसीआरएएस आउटरीच कार्यक्रमों जैसे अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) अनुसंधान कार्यक्रम, जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) आदि के तहत देश के विभिन्न राज्यों में परिषद के 30 परिधीय संस्थानों के माध्यम से भी वितरण किया जाता है। इसके अलावा, आईईसी सामग्री को व्यापक प्रचार के लिए परिषद की वेबसाइट पर भी रखा गया है। परिषद ने जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेस (जेडीआरएएस) और जर्नल ऑफ रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेस (जेआरएएस) नामक दो इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं का शुभारंभ किया है और ये सार्वजनिक डोमेन में नि:शुल्क उपलब्ध हैं ताकि लोगों के बीच अनुसंधान के परिणामों का प्रचार किया जा सके। अब तक, परिषद ने लगभग 397 पुस्तकें, मोनोग्राफ और तकनीकी रिपोर्ट प्रकाशित की हैं, और उनकी बड़े पैमाने पर आयुर्वेद के अनुसंधान परिणामों और गुणों के प्रसार के लिए बिक्री या वितरण किया जा रहा है। परिषद ने चार डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विकसित किए हैं, अर्थात आयुष मैन्युस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपोजिटरी (एएमएआर), शोकेस ऑफ आयुर्वेदिक हिस्टोरिकल इंप्रिंट्स (एसएएचआई), ई-मेडिकल हैरिटेज एक्सेसन (ई-मेधा), अनुसंधान प्रबंधन सूचना प्रणाली (आरएमआईएस)। इसके अलावा, परिषद आयुष अनुसंधान पोर्टल नामक एक वेबसाइट का रखरखाव करती है जिसमें सभी आयुष पद्धतियों से संबंधित समस्त प्रकाशित अनुसंधान जानकारी को अनुसंधान की व्यापक उपयोगिता और दृश्यता के लिए व्यवस्थित रूप से अपलोड किया जाता है। परिषद की वेबसाइट को आम तौर पर आयुर्वेद के बारे में जानकारी के साथ सन्निहित किया जाता है और अन्य महत्वपूर्ण वेबसाइटों के साथ हाइपरलिंक किया जाता है जो व्यापक उपयोगिता के लिए जानकारी प्रदान करते हैं।

मंत्रालय आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयुष में सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) के संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित करता है। इसका उद्देश्य देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुंचना है। यह योजना राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों, योग फेस्ट/उत्सव, आयुर्वेद पर्व आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करती है। मंत्रालय आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मल्टी-मीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है।

आयुष मंत्रालय आयुर्वेद सहित आयुष पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपीएस) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के लिए प्रावधान करता है: -

(i) आयुर्वेद और स्वास्थ्य उप-केंद्रों सहित मौजूदा आयुष औषधालयों का उन्नयन करके आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का संचालन
(ii) आयुर्वेद सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थापन
(iii) आयुर्वेद सहित मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
(iv) मौजूदा सरकारी/पंचायती/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराये पर/जर्जर आवास) के लिए भवन का निर्माण/आयुर्वेद सहित नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण।
(v) आयुर्वेद सहित 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।
(vi) सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति

(vii) उन राज्यों में आयुर्वेद सहित नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है
(viii) आयुर्वेद सहित आयुष स्नातक संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास
(ix) आयुर्वेद सहित आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का ढांचागत विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना

इस संबंध में, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार एसएएपी के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके पात्र वित्तीय सहायता का लाभ उठा सकती हैं।

2014-15 से 2022-23 तक एनएएम के तहत आयुर्वेद सहित विभिन्न गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धि की स्थिति इस प्रकार है:

(i) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 137 इकाइयां के लिए सहायता दी गई।
(ii) अवसंरचना और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए 315 आयुष अस्पतालों और 5023 आयुष औषधालयों को सहायता दी गई।
(iii) प्रत्येक वर्ष में औसतन 2375 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), 713 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और 306 जिला अस्पतालों (डीएच) को दवाओं और आकस्मिकता की आवर्ती सहायता के लिए सह-स्थापन के तहत सहायता दी गई।
(iv) प्रत्येक वर्ष औसतन आवश्यक आयुष औषधियों की आपूर्ति के लिए 895 आयुष अस्पतालों और 12194 आयुष औषधालयों को सहायता प्रदान की गई है।
(v) नए आयुष शिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए 13 इकाइयों को सहायता दी गई।
(vi) बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए 77 स्नातक-पूर्व (यूजी) और 35 स्नातकोत्तर (पीजी) आयुष शैक्षणिक संस्थानों को सहायता दी गई।
(vii) 692 आयुष ग्राम को सहायता दी गई
(viii) 12500 आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

(घ): आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के एक घटक के रूप में आयुष्मान भारत के तहत आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एएचडब्ल्यूसी) के संचालन को क्रियान्वित कर रहा है। एनएएम के तहत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य केंद्रों की 12500 इकाइयों को एएचडब्ल्यूसी के रूप में उन्नयन करने के लिए अनुमोदित किया गया है और जैसा कि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा सूचना दी गई है, अनुमोदित इकाइयों में से, 8268 एएचडब्ल्यूसी को कार्यशील कर दिया गया है। कार्यशील एएचडब्ल्यूसी की महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति **संलग्नक** में दी गई है।

(ङ): आयुष मंत्रालय ने 2018 में आयुष ग्रिड (एजी) का शुभारंभ किया है जो एक आयुष-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य मंच (डीएचपी) है। यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), जो भारत के डिजिटल स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय मंच है, के अनुरूप कार्य करता है। चार अलग-अलग स्तरों - मुख्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, और नागरिक पहुंच - के माध्यम से, आयुष ग्रिड के घटक आयुष क्षेत्र के सभी वर्टिकल को कवर करते हैं, जिसमें स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, आयुष अनुसंधान, केंद्रीय क्षेत्र और केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, नागरिक केंद्रित सेवाएं, ड्रग लाइसेंसिंग पोर्टल और मीडिया आउटरीच शामिल हैं। इस प्रयास के अब तक के परिणाम निम्नानुसार हैं:

क. **आयुष डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (एडीपीआई)**
1. **स्वास्थ्य सेवाएं:** आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए) समर्थित आयुष अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एएचएमआईएस)।
2. **शिक्षा:** भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) के लिए शिक्षा शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (ईएलएमएस), आयुष नेक्स्ट पोर्टल, आयुसॉफ्ट।

3. **आयुष अनुसंधान:** राष्ट्रीय आयुष रुग्णता और मानकीकृत इलेक्ट्रॉनिक (नमस्ते) पोर्टल, आयुष रिसर्च पोर्टल, एसीसीआर/आयुरसेल पोर्टल का कार्यान्वयन और रखरखाव।

4. **केंद्रीय क्षेत्र और केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम:** एनजीओ-पोर्टल।

5. **नागरिक-केंद्रित सेवाएं:** आयुष मंत्रालय की वेबसाइट, पीएम-गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ एकीकृत आयुष जीआईएस प्रणाली, वाई-ब्रेक ऐप, डब्ल्यू.एच.ओ.-वाई-योग ऐप।

6. **ड्रग लाइसेंसिंग पोर्टल:** ई-औषधि पोर्टल।

मीडिया आउटरीच: अभियान पोर्टल, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ना।

(च): भारत सरकार, आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेदीय विज्ञान में वैज्ञानिक तर्ज पर अनुसंधान करने, उसके समन्वय, निरूपण, विकास और संवर्धन के लिए एक स्वायत्त संगठन के रूप में केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्थापना की है। प्रमुख अनुसंधान गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

- नैदानिक अनुसंधान
- औषधीय पौध अनुसंधान (मेडिको-एथनोबोटेनिकल सर्वेक्षण, फार्माकोगनोसी, और खेती)
- औषधि मानकीकरण
- फार्माकोलॉजिकल अनुसंधान
- साहित्यिक अनुसंधान एवं प्रलेखन कार्यक्रम
- जन-स्वास्थ्य अनुसंधान-उन्मुख गतिविधियां
- इसके अलावा, बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी), अंतरंग रोगी विभागों (आईपीडी) के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं और वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल के लिए विशेष क्लीनिक।

परिषद राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों जैसे एम्स नई दिल्ली, बीएचयू, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीआरडीओ, जेएनयू, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, आईआईएसईआर पुणे आदि के साथ सक्रिय सहयोग कर रहा है।

पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान 210 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कर ली गई हैं।

(छ): अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आयुष दृष्टिकोण और दवाओं के सत्यापन/अनुसंधान के लिए तीन दिशानिर्देश विकसित किए हैं, अर्थात्:

- आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के औषधि विकास हेतु सामान्य दिशानिर्देश।
- आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन की सुरक्षा/विषाक्तता के मूल्यांकन हेतु सामान्य दिशानिर्देश।
- आयुर्वेदिक उपचारों के नैदानिक मूल्यांकन हेतु सामान्य दिशानिर्देश।

*****

संलग्नक

राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार कार्यशील आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (एएचडब्ल्यूसी)

क्र.सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के नाम	कार्यशील आयुष एएचडब्ल्युसी
1	आंध्र प्रदेश	126
2	अरुणाचल प्रदेश	49
3	असम	289
4	बिहार	113
5	छत्तीसगढ़	400
6	गोवा	72
7	गुजरात	283
8	हरियाणा	372
9	हिमाचल प्रदेश	303
10	झारखंड	560
11	कर्नाटक	376
12	केरल	357
13	मध्य प्रदेश	562
14	महाराष्ट्र	281
15	मणिपुर	15
16	मेघालय	22
17	मिजोरम	38
18	नगालैंड	47
19	ओडिशा	250
20	पंजाब	0
21	राजस्थान	919
22	सिक्किम	18
23	तमिलनाडु	350
24	तेलंगाना	421
25	त्रिपुरा	38
26	उत्तर प्रदेश	756
27	उत्तराखंड	267
28	पश्चिमी बंगाल	520
29	अंदमान	6
30	चंडीगढ़	5
31	दिल्ली	0
32	दादरा एवं नगर हवेली और दमण व दीव	0
33	जम्मू-कश्मीर	442
34	लद्दाख	0
35	लक्षद्वीप	7
36	पुदुचेरी	4
कुल		**8268**